बीएसईएस उपभोक्ताओं ने खरीदे 16 लाख एलईडी बल्ब, होगी 17 मिलियन यूनिट बिजली की बचत

- बीएसईएस के 33 डिविजन ऑफिसों में लगाए गए हैं काउंटर

नई दिल्ली: 7 सितम्बर, 2015। बिजली उपभोक्ताओं को काफी कम कीमतों पर ऊर्जा कुशल एलईडी बल्ब्स उपलब्ध कराने के लिए बीएसईएस डिविजन ऑफिसों में लगाए गए काउंटरों पर, तीन माह में करीब 16 लाख एलईडी बल्ब्स की बिक्री हुई है। इतने एलईडी बल्ब्स के इस्तेमाल से दिल्ली में प्रतिवर्ष 17 मिलियन यूनिट बिजली की बचत होगी। एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड के साथ मिलकर, बीआरपीएल और बीवाईपीएल के 33 डिविजन ऑफिसों में ये काउंटर लगाए गए हैं।

बीएसईएस क्षेत्र में 1.4 करोड़ एलईडी बल्ब्स कम कीमतों पर लोगों को उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे सालाना 151 मिलियन यूनिट बिजली की बचत होगी।

बीआरपीएल में, सबसे अधिक एलईडी बल्ब्स विकासपुरी इलाके में खरीदे गए हैं। यहां 150371 एलईडी बल्ब्स लोगों ने खरीदे हैं। इसके बाद खानपुर का नंबर है, जहां उपभोक्ताओं ने 118877 बल्ब्स, और सरिता विहार में 91306 बल्ब्स खरीदे हैं।

बीवाईपीएल में सबसे अधिक – 85948 एलईडी बल्ब्स यमुना विहार डिविजन में खरीदे गए हैं, जबकि करावल नगर में 78946, और नंद नगरी में 78808 एलईडी बल्ब्स उपभोक्ताओं ने खरीदे हैं।

डेटा के विश्लेषण से यह बात सामने आई है कि ज्यादातर उपभोक्ताओं ने किस्तों पर एलईडी बल्ब्स खरीदे हैं। इससे यह पता चलता है कि सभी वर्गों और समुदायों के लोगों में ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता आई है, और उन्होंने एलईडी बल्ब्स को प्राथमिकता दी है।

क्या है स्कीम :

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड द्वारा शुरू की गई इस स्कीम के तहत, एक उपभोक्ता सात वॉट के 4 एलईडी बल्ब्स खरीद सकता है। हर बल्ब की कीमत 93 रूपये है, जो मार्केट प्राइस के मुकाबले काफी कम है।

10 रूपये की किस्त पर है उपलब्ध

इस पर किस्तों की सुविधा भी उपलब्ध है। मौके पर 10 रूपये का भुगतान कर, बाकी पैसों यानी 93 रूपये का भुगतान 9 किस्तों में किया जा सकता है। बिजली बिल के माध्यम से इसका भुगतान करना होगा। हर एलईडी बल्ब पर निर्माता की ओर से तीन साल की वॉरंटी है।

एलईडी के लाभ

एलईडी बल्ब्स से न सिर्फ बिजली की बचत होगी, बल्कि बिजली के बिल में भी कमी आएगी। सात वॉट का एक एलईडी बल्ब, उतनी ही रोशनी देने वाले एक सीएफएल के मुकाबले 50 प्रतिशत कम बिजली की खपत करता है। और, पुराने पारंपरिक बल्बों के मुकाबले यह 85 प्रतिशत कम बिजली की खपत करता है।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक, दुनियाभर में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है, जिसे रोक पाना बहुत मुश्किल है क्योंकि ऊर्जा के स्रोत सीमित हैं। समाज के प्रति यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम बिजली की बचत करें। एक जिम्मेदार युटिलिटी के तौर पर, बीएसईएस ऊर्जा संरक्षण को प्रमोट करती रही है। अब हम सुरक्षित, स्मार्ट और बिजली की कम खपत करने वाले एलईडी जैसी अत्याधुनिक तकनीक को बढ़ावा दे रहे हैं।

पिछले सालों में बीएसईएस द्वारा पारंपरिक बल्बों की जगह सीएफएल अपनाने के कई अभियान चलाए गए थे। अब स्कूल कार्यक्रमों के माध्यम से घरेलू उपभोक्ओं में बिजली की बचत को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, तथा पावर कॉन्क्लेव आदि के माध्यम से औद्योगिक और व्यावसायिक उपभोक्ताओं को ऊर्जा संरक्षण के बारे में प्रोत्साहित किया जा रहा है।